























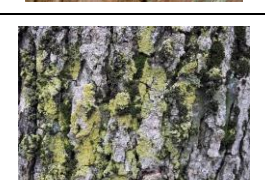

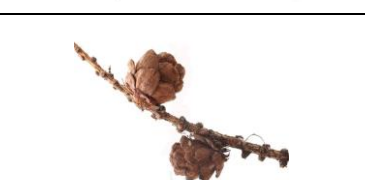


EINHEIMISCHE BAUMARTEN

| <i>Name</i> | <i>Rinde</i> | <i>Blatt / Nadel</i> | <i>Frucht</i> |
|---|---|--|---|
| Rotbuche |  |  |  |
| Hagebuche (Hainbuche, Weissbuch) |  |  |  |
| (Stiel-) Eiche |  |  |  |
| (Berg-) Ahorn |  |  |  |
| Esche |  |  |  |
| Fichte (Rottanne) |  |  |  |
| Tanne (Weisstanne) |  |  |  |
| Föhre (Kiefer) |  |  |  |
| Lärche |  |  |  |